Hindi History Form - HOLISTIC CHILD CARE

बच्चों के होलिस्टिक उपचार के लिए आवश्यक वैद्यकिय , शैक्षणिक जानकारी

भुमिका :

१) आपके बच्चों के लिए होलिस्टिक उपचार के लिए हमे कुछ बाते समझने की अत्यंत आवश्यकता होती है. जैसे पारिवारीक वातावरण, बच्चे का व्यवहार, बच्चे की मानसिक स्थिति । उसका लोगों से संबंध बनाने का तरिका । उसके शैक्षणिक नतीजे । इसके लिए हमने एक प्रश्नावली तैयार की है । आपके द्वारा दि हुई जानकारी के आधार पर ही आपसे पूछ–ताछ की रुपरेखा निर्धारीत की जायेगी । इसलिये आपसे पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की जाती है । आप विश्वास रखें कि, आपके द्वारा दि गयी जानकारी हम अपने तक ही सिमित रखेंगे ।

२) इसके अलावा हमें सही होमिओपॅथिक दवाइ मालूम करने के लिए हमें बहुत जानकारी की आवश्यकता होती है । जैसे

१) शिकायतें : अ) प्रमुख एवं, ब) गौण

२) बालका का निजी व्यक्तित्व

३) अधुरी जानकारी की आवश्यकता होती है । इस जनाकरी को हम एक विशेष तरीके से लिख लेते है । क्यूंकी पूछ–ताछ में अधिक समय लग सकता है । इसिलिये प्रारंभिक जाँच एक डॉक्टर करता है, जौ इस तरह की कार्यो की विशेष जानकारी रकथा है । जब आपके द्वारा दि गयी जानकारी का केस रेकॉर्ड तैयार हो जाता है तब हम इसका परिक्षण करते है । अगर दवाई देने के लिए और जानकारी की आवश्यकता महसूस होगी तो आपको किसी और दिन मिलने का समय दे दिया जायेगा । जिससे बच्चे के उपचार की उचित रुपरेखा तैयार की जा सके ।

४) हमें विश्वास है कि, आप हमें पूरा सहयोग देंगे जिससे बच्चे का योग्य उपचार किया जा सके ।

प्राथमिक जानकारी :

कृपया बच्चे के बारे में निम्नलिखित जानकारी दें ।

पूरा नाम, पता एवं टेलिफोन नं., जन्म तारीख, लिंग, धर्म / जाति / संप्रदाय, स्कूल, कक्षा, शाकाहारी / मांसाहारी / अण्डे, आदते, चाय–कॉफी / दूध / चॉकलेट इत्यादि वर्तमान घरेलू जिंदगी का विवरण – घरके हर व्यक्ति के बारे में जानकारी दिजिये जैसे उम्र, उनका स्थान, क्या काम करते हैं और बालक के उनके साथ संबंध । कृपया अपनी सूची में स्वर्गवासी सदस्यों के नाम भी लिखें । मृत्यू के समय उनकी उम्र, साल व मृत्यू का कारण.

सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक बच्चे की दैनिक गतिविधियाँ की पूरी जानकारी दें । बालक के आहार के बारे में लिखे, मसलन क्या–क्या, किस समय और किस मात्रा में लेता है । पढाई में और खेलने में कितना समय व्यतीत करता है ।

प्रमुख शिकायत :

जिन बच्चों को मानसिक और शैक्षणिक तकलीप हो ।

आपकी जनकारीसे बच्चों को क्या मानसिक, शैक्षणिक और शारिरीक बिमारी है इसके बारे में विस्तृत जानकारी दिजीयें । निम्नलिखित जानकारी के बारे में सविस्तार से लिखियें । हर तकलिफ के बारे में दें ।

१) तकलीफ कब से शुरु हुई, कैसे शुरु हुई, तकलिफ शुरु होने के समय या उससे कुछ समय पहेले घटना घडी हो तो लिखियें।

२) तकलीफ कितनी बार होती है, कितने समय तक होती है । तकलीफ क्यों होती हैं इसके बारे में सविस्तार लिखें ।

३) उसके लिए कोई उपचार किये हो तो उसके बारे में लिखियें ।

अन्य शिकायतें :

तकलीफ के बारे में शुरुसे सविस्तार लिखें । तकलीफ कब से शुरु हुई, कैसे शुरु हुई, किस तरह बढी एवं फैली । उसके लिए किये गये उपचार और उस उपचार के परिणाम के बारें में लिखे ।

१) तकलीफ का क्षेत्र : स्थान विशेष जहाँ तकलीफ है, वहाँ से लेकर कहाँ तक तकलीफ है, किस दिशा में उसका फैलाव है तथा शुरुसे लेकर आज तक तकलीफ के बारे में पूरी जानकारी दें ।

२) तकलीफ के क्षेत्र में महसूस होनेवाली संवेदना का वर्णन किजियें ।

३) तकलीफ शुरु होने का समय या उससे कुछ पहले की परिस्थितियों का अवलोकन किजियें । उस दौरान बच्चे की शारिरीक एवं मानसकि (भावनात्मक पहलू) स्थितियाँ पर भी प्रकाश डालियें ।

५) अन्य तकलीफ जो प्रमुख तकलीफो के साथ उसी समय होती है, जैसे पसिना, मितली, उल्टी, वायु वगेरेह का दर्द के साथ होना ।

व्यक्तिगत जानकारी :

जन्म की जानकारी :

१) बच्चे की माँ के बारे में

अ) माँ की गर्वस्था में प्रकृती १) गर्भवस्था में कोई शारिरीक समस्या २) गर्भवस्था में कोई मानसिक अवस्था

ब) बच्चे के पहेले कोई बच्चा गिरना / गिराना (गर्भपात)

क) गर्भवती होने के लिए कोई दवाई ली हो तो

ग) गर्भवस्था के कितने दिन पुरे / कम / ज्यादा

घ) प्रसुति : नॉर्मल / सिझर / फोरसेप / ज्यादा समय लगना / या अन्य कोई तकलीफ

२) बच्चे के बारे में जानकारी :

१) जन्म समय वजन : बराबर / कम / ज्यादा

२) नवजात अवस्था में हुई कोई तकलीफ (आसमप्राच का कार्ड जोडियें)

३) जन्मजात व्यंग

४) शारिरीक व्यंग

५) बच्चे की उम्र बताईयें जब निम्नलिखित बाते शुरुवातकी : बैठना, दात आना, बोलना, खडे रहेना, चलना, संडास और पेशाब पर नियंत्रण ।

निम्नलिखित जानकारी पूरी तरह दिजीये ।

१) बच्चे की शारिरीक बनावट का विवरण (वजन, उंचाई इत्यादि) दिजिये ।

२) अ) उसकी भावनात्मक प्रकृति जैसे गुस्सा, भय, लगाव, शर्माना इत्यादि । उसके व्यवहार / स्वभाव में हाल ही में आये परिवर्तन के बारे में भी लिखें ।

ब) बौद्धिक उपलब्धियाँ जैसे स्कुल में पढाई में उत्साह, प्रगति एवं इसके अलावा उसके शौक वगेरह का वर्णन करें ।

क) उसका परिवार के सदस्यों, मित्रौं, स्कूल / ट्युशन के अध्यापकों के साथ संबंधो का सही चित्रण करें । इसमें बच्चे द्वारा महसूस की जानेवाली कठिनाईयाँ और उनका उसके उपर प्रभाव का वर्णन करें । परिवार में आर्थिक परेशानियाँ और आपसी रिश्तों में तनाव हो तो उनकी जानकारी भी दें ।

३) अन्य प्रतिक्रियायें निम्नलिखित चीजों के बारे में बालक की क्या आदतें है । कौनसी परिस्थितीयाँ का उस पर असर होता है।

अ) भोजन : जो अच्छा लगतै है (अन्न, पेय) वह भोजन जिससे उसे तकलीफ होती है । मिट्टी या चौक खाने की आदतों के बारे में भी लिखे ।

ब) साधारणतः प्रकृति–मौसम, तापमान, स्नान (गर्म, ठंडा), कपडे एवं ओढने की चादर ।

क) नींद एवं स्वप्न ।

स्कुल की जानकारी (जिन बच्चों को मानसिक और शैक्षणिक तकलीप है ।)

१) स्कुल का नाम और पता

२) कक्षा

३) स्कूल का समय

४) पठाई का माध्यम

५) स्कुल जानेलगा तभीकी उम्र

६) इसके पहेले के स्कूल के नाम और स्कूल बदलने के कारण बताईयें ।

७) पढाई का माध्यम बदला है क्या ?

८) पहेले स्कूल का अनुभव

९) स्कूल में नियमित रुप से जाना

१०) स्कूल में घुलना मिलना : टिचर के साथ, अन्य बच्चौ के साथ

११) पढाई मे उत्साह

१२) शैक्षणिक सफलता

१३) शैक्षणिक सफलता में कुछ बदलाव आया है क्या ?

१४) शैक्षणिक जीवनमें खेड, असफलता, कब, कौनसी कक्षा में कितने समय जानकारी दिजियें ।

१५) कोई खास चिज/बात जिससे पठने में तकलीफ

१६) स्कूल के कार्यक्रमों मे भाग लेना

१७) स्कूल के अन्य कार्यक्रमों मे भाग लेना

१८) स्कूल के शैक्षणिक / प्रत्य कार्यक्रमों मे कोई पारितोषीक मिला है ।

१९) आपको बच्चे को घरसे पढाई मे मार्गदर्शन मिलता है क्या ?

२०) उसके संबंध उसके साथ कैसे है जो उसे पढाई मे मदत करता है? कृपया पहेले स्कूल की और वैद्यकिय जानकारी की झेरॉक्स कापी लगाईयें ।

भूतकालिन बिमारियाँ :

बच्चे की पिछली बिमारीयो के बारे में क्रमानुसार लिखियें और आपकी राय में उनका बच्चे की वर्तमान तकलीफों से संबंध बताईये ।

पारिवारीक जानकारी :

बच्चे के माता, पिता, भाई–बहनों, दादा–दादी और नाना–नानी या अन्य खुन के रिश्तोदारों के स्वास्थ्य के विषय में संक्षेप से बतलाईयें ।

अन्य जानकारी :

यहाँ आप उन चीजों के बारे में बतलाईयें जो आप उपर नही लिख पाते है ।

Clinic Address

Dr. Nrupen Bhutkar

Shree Mahalaxmi Homeopathy Clinic And Research Center, UG 9 Century Hall Building,
Opp.Zilla-Parishad, Sadar Bazar, Satara, Maharashtra 415001,
Tel.: + 91 9822785517 , 8830391060

E-mail :nrupenbhutkar@gmail.com • Website :https://drbhutkarhomoeopathyclinic.co.in/